पहली बारिश में बह गया लाखों का चेकडेम, निर्माण की हकीकत

घटिया निर्माण से भ्रष्टाचार की आशंका गहराई,ग्रामीण बोले, जिम्मेदारों पर हो एफआईआर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 8 जुलाई। जनपद पंचायत देवसर की ग्राम पंचायत कठदहा में लाखों रुपये की लागत से निर्मित चेकडेम पहली ही मामूली बारिश में ध्वस्त हो गया। निर्माण पूरा होने के एक सप्ताह से लेकर लगभग 15 दिन के भीतर ही संरचना टूट जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीण इसे सरकारी धन की बर्बादी और बड़े भ्रष्टाचार का मामला बता रहे हैं। चेकडेम की अनुमानित लागत करीब 15 लाख से ऊपर बताया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, जल संरक्षण के उद्देश्य से बनाए गए इस चेकडेम से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को लाभ मिलने की उम्मीद थी लेकिन पहली ही बारिश के पानी का दबाव भी यह निर्माण नहीं झेल सका। चेकडेम का बड़ा हिस्सा टूटकर बह गया, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संदेह और गहरा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई। उनका कहना है कि निर्माण में घटिया सामग्री, कम मात्रा में सीमेंट तथा निम्न गुणवत्ता की रेत का उपयोग किया गया। यही कारण है कि बिना किसी बाढ़ या अत्यधिक वर्षा के ही चेकडेम धराशायी हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण मानकों के अनुरूप किया गया होता तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि इस निर्माण कार्य का भुगतान कितना हुआ है और किस स्तर तक भुगतान जारी किया गया, इसकी स्पष्ट जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यदि भुगतान हो चुका है तो किन अधिकारियों ने गुणवत्ता परीक्षण के बाद इसकी स्वीकृति दी, यह भी जांच का विषय बन गया है।

एजेंसी के खिलाफ कार्यवाही की उठने लगी मांग

ग्रामीणों का कहना है कि चेकडेम टूटने के तुरंत बाद संबंधित विभाग और जनपद पंचायत के अधिकारियों को शिकायत दी गई लेकिन अब तक न तो तकनीकी जांच शुरू हुई और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी, सरपंच, सचिव अथवा उपयंत्री के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई। इससे मामले को दबाने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच, गुणवत्ता परीक्षण और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनआंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

जांच टीम गठित-सीईओ

इस संबंध में जनपद पंचायत देवसर के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी सूरज मिश्रा ने बताया कि चेकडैम की ध्वस्त होने की शिकायत मिली है। जांच टीम गठित कर दी गई है। एसडीओ एवं उपयंत्री कल दिन गुरूवार को स्थल का निरीक्षण करने जाएंगे। पहले भी शिकायत मिली थी,काम बंद करने के लिए कहा गया था। क्रियान्वयन एजेंसी ग्राम पंचायत ने फिर भी काम किया है,इसका अभी तक भुगतान होने की जानकारी नही है। मूल्यांकन नही हुआ है,निर्धारित प्राक्कलन के अनुसार कार्य नही कराया गया है। उपयंत्री के द्वारा पहले भी नोटिस दिया जा चुका है। यदि जांच में गड़बड़ मिली तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही कर राशि की रिकवरी करायी जाएगी।

विधायक राजेंद्र मेश्राम ने साइकिल का किया वितरण

विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन,अनुशासन और शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने का दिया संदेश

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। देवसर विधानसभा क्षेत्र के मंडल लंघाडोल अंतर्गत ग्राम मझौली पाठ स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देवसर विधानसभा के विधायक राजेंद्र मेश्राम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शासन की योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया और उनसे आत्मीय संवाद करते हुए शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेंद्र मेश्राम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो,इसके लिए सरकार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है। साइकिल वितरण योजना का उद्देश्य विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाना है, जिनके घर विद्यालय से दूर स्थित हैं। इससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, समय की बचत होगी और पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर लंघाडोल एससी मोर्चा पन्ना जिला प्रभारी राकेश वर्मा, महामंत्री कृष्णा पाल,झलरी के सरपंच दिलीप शाह सहित विद्यालय के शिक्षकगण रामलला प्रजापति प्राचार्य, लखपति प्रसाद गुप्ता जन शिक्षक, परमेश्वर राम भगत, बेचन सिंह, भारत पिप्पल,नीलम धुर्वे,राम नरेश साकेत, राजेश कुमार शाह,सुखराम शाह,विपिन बिहारी पाण्डेय,कान्ती प्रसाद शाह, तीरथ प्रसाद यादव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर में

वन अधिकार दावों के त्वरित निराकरण 31 अक्टूबर तक

सिंगरौली। मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लंबित पुनः परीक्षण, नवीन व्यक्तिगत तथा सामुदायिक एवं सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन से संबंधित दावों के शत प्रतिशत निराकरण के लिए जिले में 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के अध्यक्ष गौरव बैनल के निर्देशन में अभियान को चरणबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान लंबित दावों का पुनः परीक्षण,नवीन दावों का नियमानुसार परीक्षण तथा पात्र हितग्राहियों के दावों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

जिले के सभी शिक्षकों की पदस्थापना की मांगी जानकारी

सिंगरौली। जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों बीईओ को निर्देश जारी कर ऐसे शिक्षकों एवं लोक सेवकों की जानकारी मांगी है, जो अपनी मूल पदस्थापना वाले विद्यालय या संस्था के बजाय किसी अन्य कार्यालय, संस्था अथवा विभाग में अटैचमेंट पर कार्यरत हैं। जारी आदेश में बताया गया है कि लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में यह जानकारी एकत्र की जा रही है। डीईओ ने स्पष्ट किया है कि किसी भी शिक्षक का अन्य संस्था या कार्यालय में अनधिकृत अटैचमेंट स्वीकार्य नहीं होगा। यदि कोई शिक्षक मूल पदस्थापना से अलग स्थान पर कार्य कर रहा है, तो उसे तत्काल प्रभाव से मूल विद्यालय में कार्यभार ग्रहण कराना सुनिश्चित किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी बीईओ को अपने-अपने विकासखंड के शासकीय विद्यालयों का परीक्षण कर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं कि उनके क्षेत्र में कोई भी शिक्षक या लोक सेवक अन्यत्र अटैचमेंट पर कार्यरत नहीं है। यह जानकारी कल 9 जुलाई शाम 5 बजे तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ई.मेल पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएससी सेंटर गिराने का आरोप,थाने में शिकायत

चितरंगी। जनपद पंचायत चितरंगी की ग्राम पंचायत बिरकुनिया के सरपंच एवं सचिव ने थाना मोरवा में लिखित शिकायत देकर पंचायत परिसर में स्थापित सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर को कथित रूप से गिराए जाने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। शिकायत में दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, पंचायत परिसर में शासन के निर्देश पर सीएससी भवन का निर्माण कराया गया था। इसी परिसर में पंचायत सीएससी भवन का सेंटर भी निर्माण कराया जाना था। आरोप है कि 8 जुलाई को कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन की मदद से टॉवर को गिरा दिया, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। शिकायत में कहा गया है कि टॉवर गिरने से पंचायत को करीब 1.50 लाख रुपये की क्षति हुई है। घटना के फोटो एवं वीडियो भी उपलब्ध होने का दावा किया गया है। थाने में दी गई शिकायत में 15 लोगों के नाम दर्ज कराए गए हैं। सरपंच और सचिव ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए तथा सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई भी कराई जाए। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

लेबर गेट पर जलभराव से बढ़ी परेशानी

निकासी व्यवस्था नहीं होने पर लोगों ने उठाए सवाल

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 8 जुलाई। विन्ध्यनगर-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर स्थित एनटीपीसी विन्ध्यनगर टाउनशिप के मुख्य लेबर गेट के सामने बारिश के बाद हुए जलभराव ने कर्मचारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

यह मार्ग एनटीपीसी में कार्यरत हजारों कर्मचारियों के साथ.साथ शक्तिनगर, वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों की ओर आने-जाने वाले वाहनों का प्रमुख संपर्क मार्ग है। लगातार जलभराव के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के समय सड़क तालाब जैसी दिखाई देती है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों, स्कूली बच्चों और पैदल राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। इसी मार्ग से गंभीर मरीजों को भी बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ले जाया जाता है, ऐसे में जलभराव आपातकालीन परिस्थितियों में भी बाधा बन रहा है। लोगों का आरोप है कि एनटीपीसी विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है लेकिन जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधा की अनदेखी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के पार्षद भी कई बार एनटीपीसी प्रबंधन को पत्र लिखकर स्थायी जल निकासी व्यवस्था की मांग कर चुके हैं लेकिन अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने बरसात को देखते हुए तत्काल प्रभाव से नाली निर्माण और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

65 अकार्यशील सहकारी समितियों को कारण बताओ नोटिस जारी

15 दिवस के भीतर पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश अन्यथा पंजीयन निरस्तीकरण की होगी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं रीवा संभाग द्वारा सिंगरौली जिले की 65 अकार्यशील सहकारी समितियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 18 ए के अंतर्गत कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

संबंधित समितियों को 15 दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त सहकारिता पीके मिश्रा ने बताया कि संबंधित सहकारी समितियां पंजीयन के उपरांत सहकारी अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित दायित्वों का पालन नहीं कर रही हैं।

इन समितियों द्वारा आज तक निर्वाचन नहीं कराए गए, वार्षिक आम सभाओं का आयोजन नहीं किया गया तथा किसी प्रकार का व्यावसायिक कार्य भी संचालित नहीं किया गया है। इसके साथ ही सदस्यता विस्तार, अभिलेखों के संधारण एवं अंकेक्षण के लिए आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं का भी पालन नहीं किया गया है,जिससे समितियां लंबे समय से अकार्यशील बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि उक्त तथ्यों के आधार पर संबंधित समितियों के पंजीयन निरस्तीकरण का प्रस्ताव मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 18 ए के अंतर्गत प्रेषित किया गया है। प्रथम दृष्टया यह भी प्रतीत होता है कि कुछ समितियों का पंजीयन परिवर्तक सदस्यों द्वारा तथ्यों के दुरुपदेशन के आधार पर कराया गया तथा जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समितियों का गठन किया गया थाए उनकी पूर्ति नहीं हो सकी है।

उपायुक्त सहकारिता ने बताया कि संबंधित समितियों के प्रमुख, संचालक मंडल सर्वधक सदस्य अथवा अन्य सदस्य यदि अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं, तो सूचना पत्र प्राप्त होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिखित अथवा मौखिक रूप से अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि में कोई जवाब प्राप्त नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार संबंधित सहकारी समितियों का पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए संबंधित संस्था के सदस्य स्वयं उत्तरदायी होंगे। विस्तृत जानकारी के लिए समितियो के नाम कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

देवसर में अमानक बीज बिक्री पर रोक की मांग

कांग्रेस उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

देवसर 8 जुलाई। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सुरेश मिश्रा ने देवसर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में कथित रूप से अमानक एवं घटिया बीजों की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषी विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि देवसर,बरगवां, सरई और निवास सहित विभिन्न बाजारों में किसानों को अधिक कीमत पर अमानक बीज बेचे जा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक हानि हो रही है। साथ ही यह भी शिकायत की गई कि कुछ विक्रेता बिना सक्षम अधिकारी से लाइसेंस लिए बीजों का विक्रय कर रहे हैं। ऐसे बीजों के कारण धान की फसल की उपज प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। ज्ञापन में प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर किसानों के हितों की रक्षा करने, अमानक बीजों की बिक्री पर रोक लगाने तथा दोषी बीज विक्रेताओं के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है।

गनियारी मुक्ति धाम में आज होगा वृहद पौधरोपण

नगर निगम आयुक्त ने की नागरिकों से सहभागिता की अपील

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत आज प्रातः 11 बजे गनियारी मुक्ति धाम परिसर में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र में कुल 1 लाख 50 हजार पौधों का रोपण किया जाना प्रस्तावित है।

नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान ने बताया कि यह अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगाए जाने वाले पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि आने वाले वर्षों में ये पौधे सघन हरित आवरण का रूप ले सकें।

आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापारी संगठनों, युवाओं, महिलाओं तथा आम नागरिकों से अपील की है कि वे प्रातः 11 बजे गनियारी मुक्ति धाम पहुंचकर इस महाअभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प ले। नगर निगम द्वारा अभियान के अंतर्गत नगरीय क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, पार्कों,शासकीय परिसरों, शैक्षणिक संस्थानों,सड़क किनारे तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण कराया जाएगा।

सर्प दंश से महिला की मौत

सिंगरौली 8 जुलाई। चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सुकहर नऊआपाथर निवासी एक 25 वर्षीय महिला को आज दोपहर के समय जहरीले सर्प ने काट लिया। चितरंगी में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोनू प्रजापति पति लक्ष्मिन प्रजापति उम्र 25 वर्ष को आज घर में एक जहरीले सर्प ने काट लिया। आनन-फानन में उपचार के लिए चितरंगी अस्पताल लाया गया,जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

भाजपा जिला महामंत्री लालपती साकेत एयर एंबुलेंस से पहुंचे भोपाल

सांसद डॉ.राजेश मिश्रा के प्रयास से एम्स में कराये गये भर्ती

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री लालपती साकेत के गंभीर रूप से अस्वस्थ होने पर उनके बेहतर उपचार के लिए त्वरित पहल करते हुए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था कराई।

इसके माध्यम से उन्हें रीवा से रेफर कर भोपाल स्थित एम्स में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने ईश्वर से लालपती साकेत के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया है तथा मध्यप्रदेश सरकार की पी एम एम्बुलेंस सेवा के लिए मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया है।

बोल्डर व गिट्टी से भरे तीन वाहन जब्त

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्ती,होगी नियमानुसार कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से खनिज परिवहन कर रहे ६तीन वाहनों को जब्त किया है।

खनिज निरीक्षक अशोक मिश्रा ने बिना वैध अभिवहन पास के बोल्डर का परिवहन करते पाए

जाने पर एक बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से मोरवा थाना परिसर में खड़ा कराया।

वहीं सहायक खनिज अधिकारी रामसुशील चौरसिया ने गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर वाहन क्रमांक एमपी 66जी 0115 एवं एमपी 66जी 2132 को जब्त कर सासन पुलिस चौकी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया। खनिज विभाग ने बताया कि जब्त किए गए सभी वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण संबंधी प्रावधानों के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पचखोरा पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील, हर दिन जोखिम उठाकर गुजर रहे लोग

राहगीर, स्कूली बच्चे और मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित, रहवासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 8 जुलाई। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 30 स्थित बिलौंजी पचखोरा पहुंच मार्ग की हालत लगातार बदतर होती जा रही है। पूरी सड़क जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों को यह अंदाजा तक नहीं लग पाता कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां।

ऐसे में प्रतिदिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। कई वाहन चालक फिसलकर गिर चुके हैं लेकिन अब तक जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने सड़क की मरम्मत तक नहीं कराई। रहवासियों का आरोप है कि वार्ड के पार्षद, नगर निगम महापौर,नगर निगम अध्यक्ष और क्षेत्रीय विधायक को इस सड़क की बदहाल स्थिति की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क का निर्माण या मरम्मत नहीं कराई गई तो मजबूर होकर आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री राधा सिंह का भी इसी मार्ग से समय-समय पर आवागमन होता है।

वार्डवासी संदीप सिंह यह सड़क अब सड़क नहीं,गड्ढों का जाल बन चुकी है। हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। वहीं जगदीश जायसवाल स्कूल जाने वाले बच्चों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। बरसात में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। एसएन पाण्डेय का कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाया गयाए लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। साथ ही केके तिवारी ने कहा कि नगर निगम को इस सड़क की तत्काल मरम्मत करानी चाहिए। सड़क की बदहाली से वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और आम नागरिक आर्थिक नुकसान भी झेल रहे हैं।

धनंजय दुबे भी बताते हैं कि राज्यमंत्री और भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इसी मार्ग से गुजरते हैं, फिर भी सड़क की हालत नहीं सुधरना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।